गेल (इंडिया) लिमिटेड

भारत की यंगेस्ट महारत्न कंपनी

निवेशक और विश्लेषक बैठक

मई 25, 2018, मुम्बई

सुरक्षित वैचारिक वक्तव्य

यह प्रस्तुतीकरण गेल (इंडिया) लिमिटेड द्वारा केवल कंपनी से संबंधित सूचना दिए जाने के लिए तैयार किया गया है।

इस प्रस्तुतीकरण में निहित सूचनाएं केवल वर्तमान स्थिति के अनुसार हैं। इस प्रस्तुतीकरण में दिए गए कुछ विवरण पूर्व सूचनाओं अथवा तथ्यों पर आधारित नहीं हो सकती हैं और वे "प्रगतिशील विववरण" हो सकते हैं जिसमें कंपनी की सामान्य व्यवसायिक योजनाएं और रणनीति, इसकी भावी वित्तीय स्थिति और प्रगति की संभावनाएं तथा उद्योग जगत में इसका भावी विकास और प्रतियोगी एवं सांविधिक वातावरण शामिल हैं। वास्तविक परिणाम इन प्रगतिशील विवरणों से भिन्न हो सकते हैं जिनके कारकों में कंपनी के व्यवसाय के आगामी परिवर्तन एवं विकास, प्रतियोगी वातावरण, प्रौद्योगकीय सूचना तथा भारत की राजनैतिक, आर्थिक, कानूनी और सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियां शामिल हैं।

यह सम्प्रेषण केवल सामान्य जानकारी के प्रयोजन हेतु है जो कि किन्हीं विशेष उद्देश्यों, वित्तीय स्थितियों और किसी विशेष व्यक्ति की आवश्यकताओं से परे है। कंपनी, यहां इसमें दी गई सूचना के उपयोग से संबंधित किसी उत्तरदायित्व, वह चाहे जो भी हो, प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से स्वीकार नहीं करती है ।

कंपनी इस प्रस्तुतीकरण के तथ्यों में कोई बदलाव, संशोधन अथवा अन्यथा किसी भी प्रकार का परिवर्तन कर सकती है और वह ऐसे किसी संशोधन या बदलाव के बारे में किसी व्यक्ति को अधिसूचित करने के लिए बाध्य नहीं है ।

एजेंडा

- प्रस्तावना
- कार्य-निष्पादन उप्लब्धियां
- औद्योगिक परिदृश्य एवं रणनीति
- प्रश्न एवं उत्तर

प्रस्तावना

संक्षिप्त विवरण: गेल (इंडिया) लिमिटेड

- 11,000 किमी से अधिक का नेटवर्क (206एमएमएससीएमडी)
- विस्तार हेतु प्रयत्नशील, दभोल में 5 एमएमटीपीए एलएनजी री-गैसीफिकेशन सुविधा में सहभागिता
- दीर्घ-कालिक आयात पोर्टफोलियो: 24 एमएमटीपीए

- घरेलू मार्केटिंग हिस्सेदारी ~ 15%
- पाता (यूपी) में 0.81 एमएमटीपीए क्षमता का पेट्रोकेमिकल प्लांट +बीसीपीएल में 0.28 एमएमटीपीए

- एलपीजी, प्रोपेन, पेंटेन, नेफ्था आदि के उत्पादन करने वाले 6 गैस प्रोसेसिंग संयंत्र (1308 टीएमटी)
- एलपीजी परिवहन क्षमता 3.8 एमएमटीपीए (2038 किमी)

- ई एण्ड पी: क्षैतिज एकीकरण का एक भाग
- 10 ब्लॉकों में सहभागिता (प्रचालक-1 ब्लॉक)
- म्यान्मार एवं यूएस में उपस्थिति

- 118 एमडब्ल्यू पवन ऊर्जा संयत्र एवं 10.7 एमडब्ल्यू सोलर ऊर्जा संयंत्र
- आरजीपीपीएल में सहभागिता (क्षमता 1967 एमडब्ल्यू)

भारत में कुल प्राकृतिक गैस परिसंचरण के **3/4** का प्रचालक

भारत में बिक्री की जाने वाली प्राकृतिक गैस में **3/5** का योगदान

भारत में उत्पादित पॉलीइथलीन के **1/6** का उत्पादन

भारत के कुल एलपीजी परिसंचरण में **1/6** का संचरण

भारत के हर **21वें** एलपीजी सिलेंडर का उत्पादन

भारत में उत्पादित उर्वरक के **3/4** के लिए गैस की आपूर्ति

भारत के गैस आधारित बिजली संयंत्रों के **3/2** के लिए गैस की आपूर्ति

भारत के कुल सीएनजी स्टेशनों के **2/3** से अधिक का प्रचालन

सतत् विकास में गेल की प्रतिबद्धता

- वित्त वर्ष 17-18 में गेल ने पाता में देश के प्राकृतिक गैस आधारित पेट्रोकेमिकल संयंत्र में भारत का 5.76 एमडब्ल्यू का दूसरा सबसे बड़ा सौर पीवी रूफटॉप स्थापित किया।
- इससे गेल के कुल अक्षय पोर्टफोलियो को 128 मेगावाट से अधिक की बढ़त मिली।
- अब गेल 'एफटीएसई4 गुड इमर्जिंग मार्केट इंडेक्स' का भाग है।
- गेल सतत् विकास के लक्ष्यों हेतु प्रतिबद्ध है।

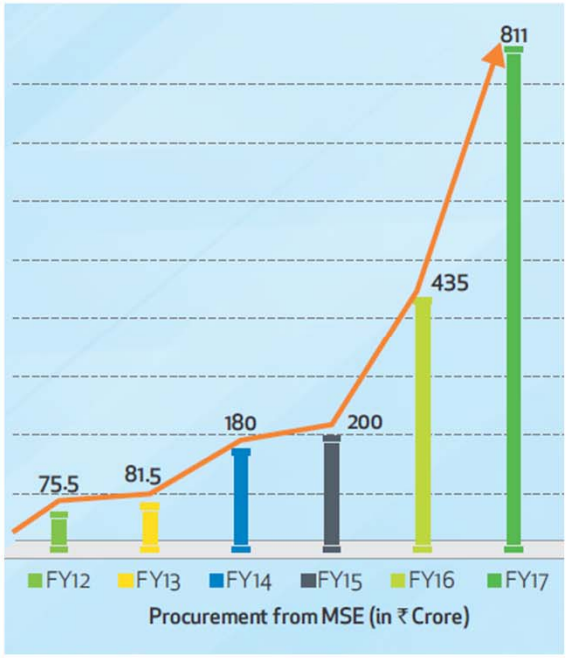

वैश्विक उपस्थिति

यूएसए
जीजीयूआई (ईगल फोर्ड वेसिन)
जीजीयूएलएल (डोमिनियन कोव)
गेल-सबाइन पास
चाइना गैस
चीन
म्यांमार
म्यांमार-चाइना गैस पाइपलाइन
ए1, ए3 ई एंड पी ब्लॉक्स
इजिप्ट
2 रीटेल गैस कंपनियों में इक्विटी
सिंगापुर
गेल ग्लोबल (सिंगापुर) पीटीई. लिमिटेड

शेयरधारण संरचना एवं शेयर मूल्यों में उतार-चढ़ाव

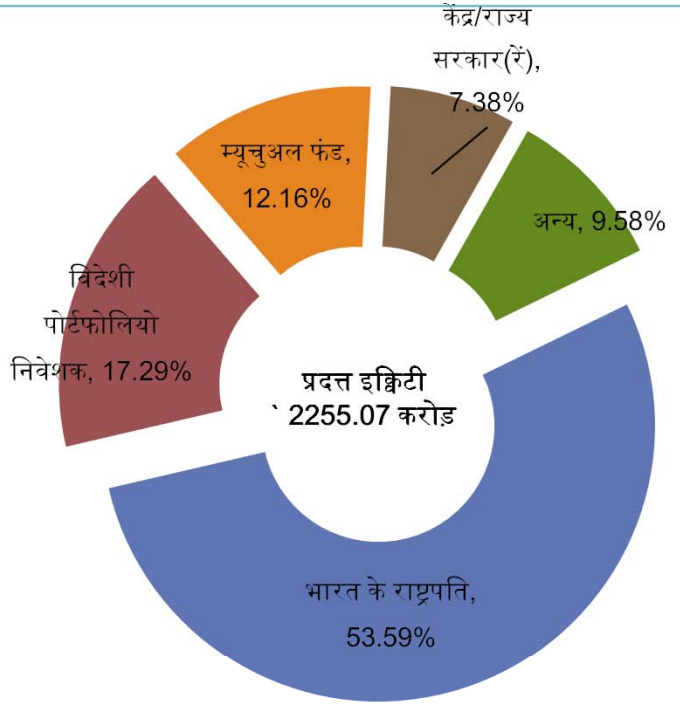

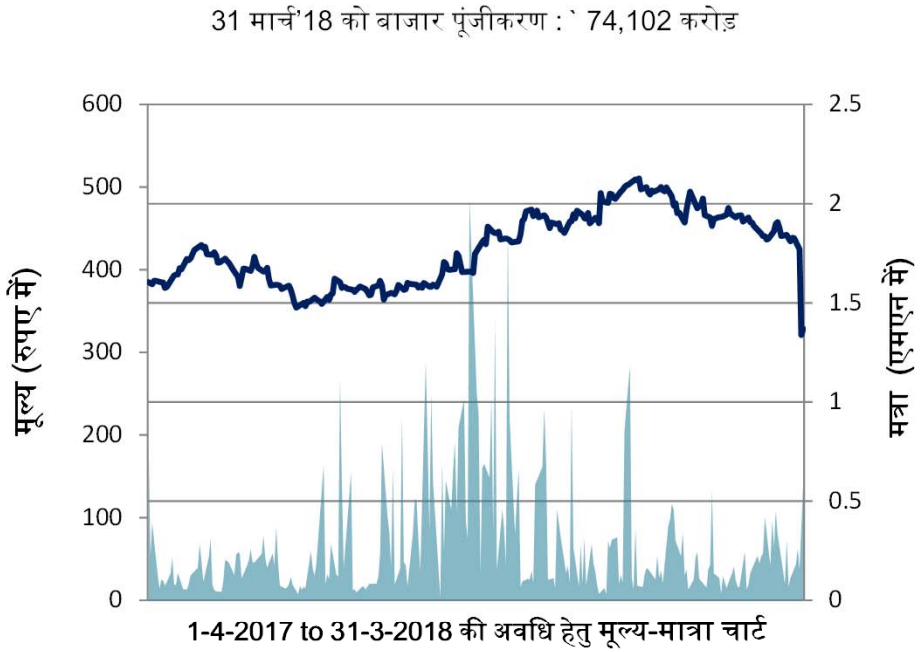

वर्ष	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18
घोषित लाभांश (रु./शेयर)	5.85	3.37	3.09	6.81	7.18 *

- गेल ने वित्त वर्ष 2017-18 में धारित प्रत्येक तीन शेयरों के लिए एक बोनस शेयर जारी किया
- सीपीएसई ईटीएफ के माध्यम से विनिवेश के कारण भारत के राष्ट्रपति की शेयरहोल्डिंग 54.43% से घटकर 53.59% हो गई है

स्रोत: बीएसई वेबसाइट; नोट: सभी आंकड़े बीएसई वेबसाइट के 31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार हैं; उपर्युक्त संख्या को वित्त वर्ष 2017-18 में जारी किए गए बोनस शेयर हेतु समयोजित किया गया है;* शेयरधारकों के अनुमोदन की शर्त के अधीन बोर्ड द्वारा रु.1.44/शेयर के अंतिम लाभांश संस्तुति शामिल है।

गेल हृदय – गेल की सीएसआर पहल

वित्त वर्ष 2017-18 में गेल ने सीएसआर पर पिछले तीन वर्षों के औसत लाभ का 2.63% का व्यय किया है

यह सांविधिक व्यवस्था के अनुसार निर्धारित 2% व्यय के विरुद्ध है।

कार्य-निष्पादन उपलब्धियाँ

वि.व. 2017-18 की प्रमुख उपलब्धियां

वित्त वर्ष 2017-18 में गेल ने कुल लाभ रु.4,618 करोड़ और कुल टर्नओवर रु.53,690 करोड़ दर्ज किया है

गेल का यूएसए से भारत में पहला एलटी-एलएनजी कार्गो-'मेरिडियन स्पिरिट' 30 मार्च 2018 को दाभोल में पहुंचा तथा विदेशी एलएनाजी बिक्री ~ 1 एमएमएससीएमडी

एक्सॉन मोबाइल और गैज़प्रॉम के साथ एलटी गैस की खरीद के अनुबंधों को गेल के अनुकूल पुनःनिर्धारित किया गया

अंतत: एनसीएलटी द्वारा आरजीपीपीएल में एलएनजी ब्लॉक को पृथक करने का अनुमोदन दिया गया; कोंकण एलएनजी प्रा. लि. का गठन किया गया

पीएम ऊर्जा गंगा के मुख्य अनुबंध प्रदान किए गए, क्रियान्वयन पूरे ज़ोरों पर है (31 मार्च 2018 को पूंजीगत प्रतिबद्धता ~ रु. 6,600 करोड़)

भुबनेश्वर सीजीडी प्रचालन को कमीशन किया गया; वाराणसी, कटक, पटना, रांची आदि में क्रियान्वयन तेज़ी पर हैं

जीचबीडीपीएल परियोजाना का भाग (फूलपुर-वाराणसी 109 कि.मी. खंड) पूंजीगत किया गया, वि.व. 2017-18 के लिए कैपेक्स ~ रु. 4,100 करोड़

वि.व.18 में रु.400 करोड़ का पूंजीगत अनुदान प्राप्त हुआ (संचयी अनुदान रु. 850 करोड़)

पीएनजीआरबी ने बरौनी-गुवाहाटी पी/एल को प्राधिकृत किया (1,300 कि.मी.) – अनुमानित कैपेक्स ~ रु. 3300 करोड़

प्राकृतिक गैस की बिक्री के लिए नए दीर्घ-कालिक समझौता ~ 3.36 एमएमटीपीए तथा विद्यमान ग्राहकों सहित अतिरिक्त दीर्घ कलिक समझौता ~ 1.67 एमएमटीपीए

वि.व.17-18 में हेजिंग की गई गैस की मात्रा ~ 85.02 टीबीटीयू (~ 27 कार्गो)

वि.व.2017-18 में बोनस पश्चात प्रदत्त ईक्विटी शेयर पूंजी का लाभांश 71.8 % है (अंतिम लाभांश सहित)

बोनस शेयर जारी किया जाना - प्रत्येक 3 धारित ईक्विटी शेयरों पर 1 ईक्विटी शेयर

~ रु. 3,100 करोड़ ऋण का भुगतान जिसमें ~ रु.. 900 करोड़ के पूर्व भुगतान शामिल है

क्रेडिट रेटिंग – डोमेस्टिक 'एएए', इंटरनेशनल 'बीएए2' (मूडीज), बीबीबी-स्टेबल आउटलुक (फिच)

भौतिक कार्य-निष्पादन – वित्त वर्ष 2017-18

गैस मात्रा रूझान

(एमएमएससीएमडी)

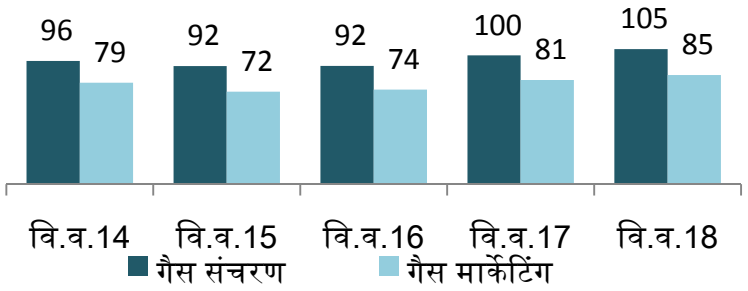

गैस परिसंचरण मिक्स

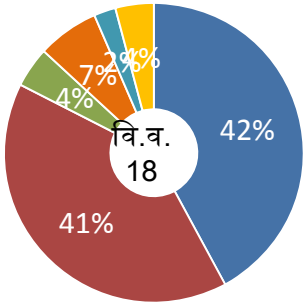

गैस विपणन मिक्स

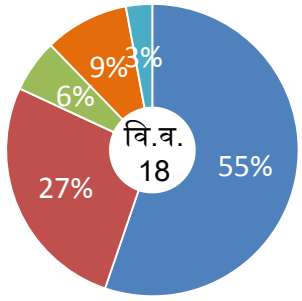

एपीएम/एनएपीएम आरएलएनजी पीएमटी स्पॉट मिड टर्म आरआईएल

(टीएमटी)

पेट्रोकेमिकल बिक्री

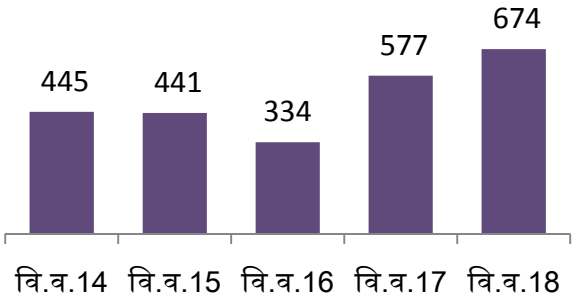

द्रव हाइड्रोकार्बन बिक्री

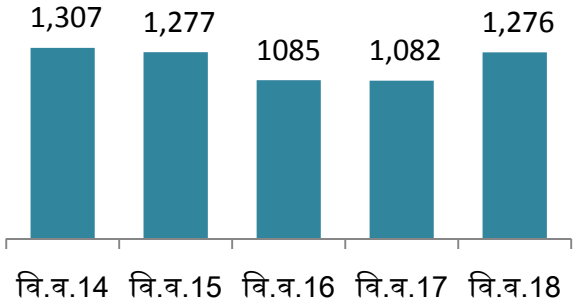

एलपीजी परिसंचरण

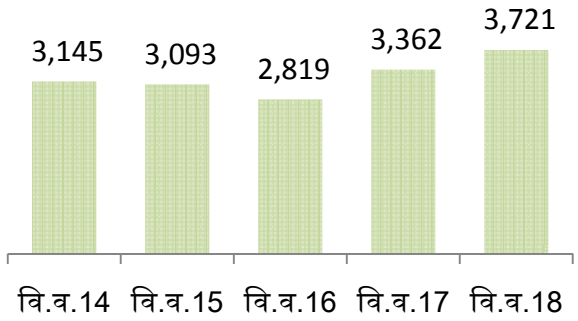

गैस सोर्सिंग एवं क्षेत्रवार आपूर्ति– वि.व.18

(एमएमएससीएमडी, % शेयर)

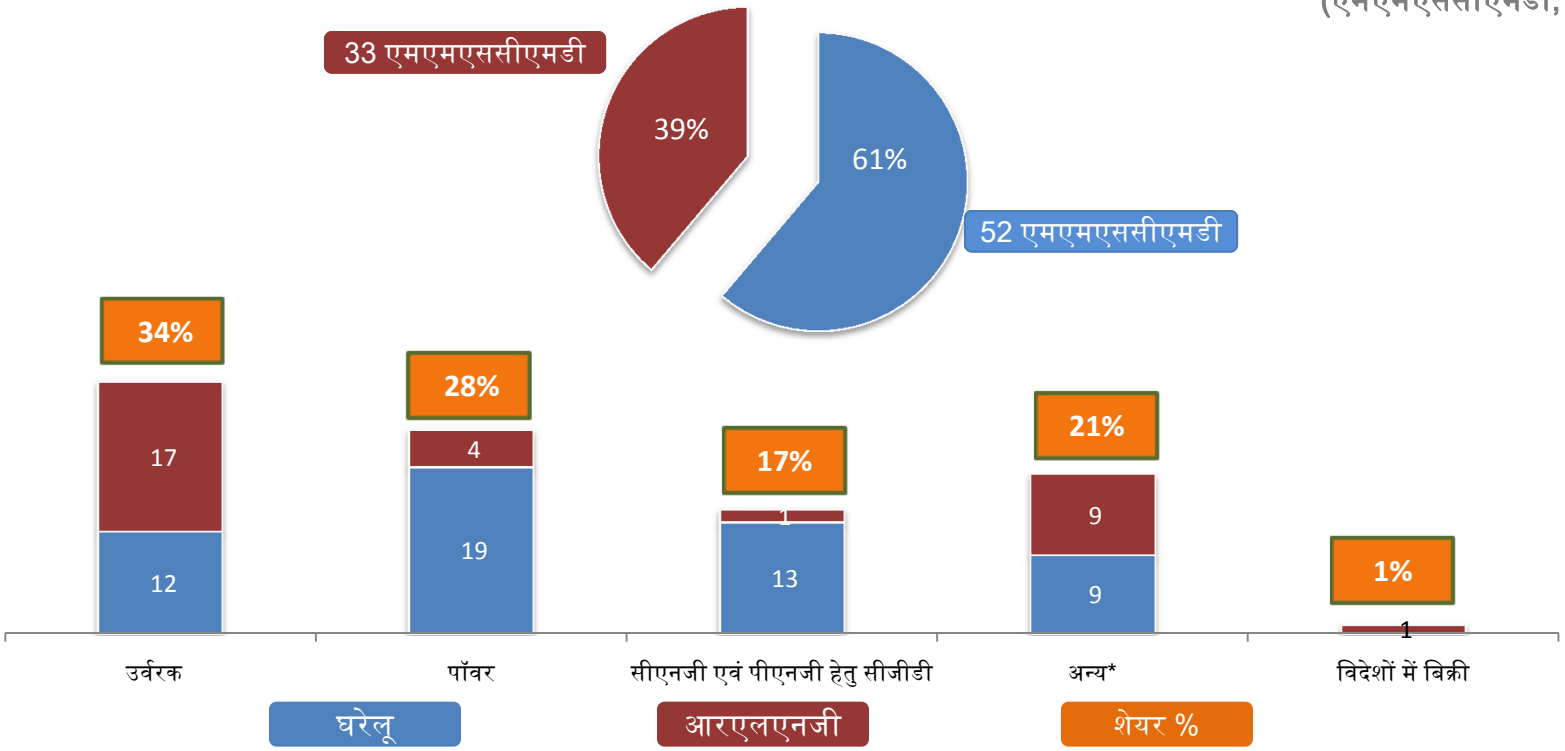

- आयातित गैस में मुख्यत: दीर्घकालिक एलएनजी, मध्य कालिक आरएलएनजी एवं स्पॉट शामिल हैं
- घरेलू गैस के मुख्य स्रोत हैं ओएनजीसी(एपीएम एवं गैर-एपीएम),एपीएम में पीएमटी एवं पीएससी मूल्य ,रव्वा,रव्वा सैटेलाइट आदि
- पॉवर एवं उर्वरक क्षेत्रों की कंपनियों से प्राकृतिक गैस की अधिकतम मांग है

* अन्य में शामिल है इस्पात, रिफाइनरीज, स्पोंज आयरन, पेट्रोकेमिकल, गेल आंतरिक खपत आदि

वित्तीय कार्य-निष्पादन (एकल)

(करोड़ रु. में)

कारोबार (सकल) *

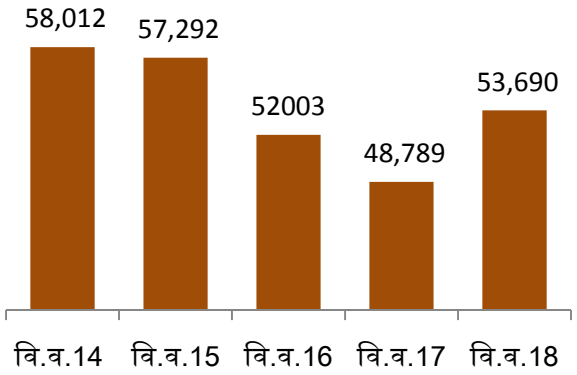

सकल मार्जिन* (पीबीडीआईटी)

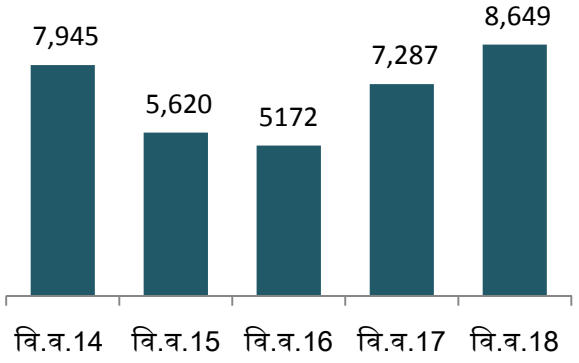

कर पूर्व लाभ (पीबीटी)*

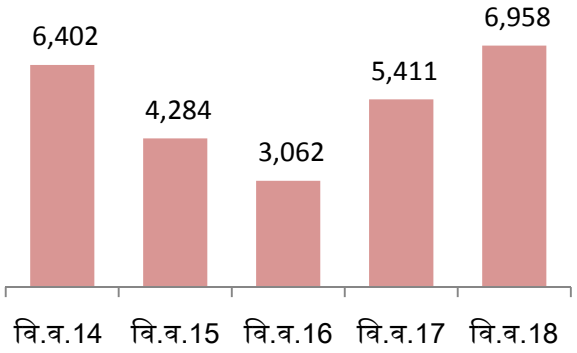

कर पश्चात लाभ (पीएटी) *

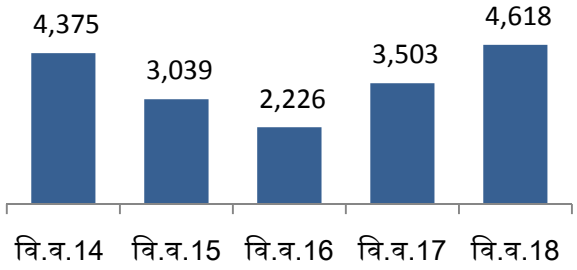

* वित्त वर्ष16 के पश्चात से आंकड़े इंड-एएस के अनुरूप हैं

खण्ड-वार वित्तीय कार्य-निष्पादन

(करोड़ रु. में)

विवरण	वि.व. 2017-18	वि.व. 2016-17
बिक्री कारोबार (सकल)		
प्राकृतिक गैस परिसंचरण	4,446	4,195
एलपीजी परिसंचरण	558	515
गैस विपणन	38,021	34,630
पेट्रोकेमिकल	5,788	5,626
एलपीजी एवं अन्य द्रव हाइड्रोकार्बन	4,179	3,138
अनाबंटित	698	686
कुल कारोबार	**53,690**	**48,789**

कर पूर्व लाभ (पीबीटी)		
प्राकृतिक गैस परिसंचरण	2,815	2,252
एलपीजी परिसंचरण	273	257
गैस विपणन	1,256	1,519
पेट्रोकेमिकल	106	216
एलपीजी एवं अन्य द्रव हाइड्रोकार्बन	2,304	1,246
अनाबंटित	204	(78)
कुल पीबीटी	**6,958**	**5,411**

31 मार्च 2018 को तुलन पत्र

(करोड़ रु. में)

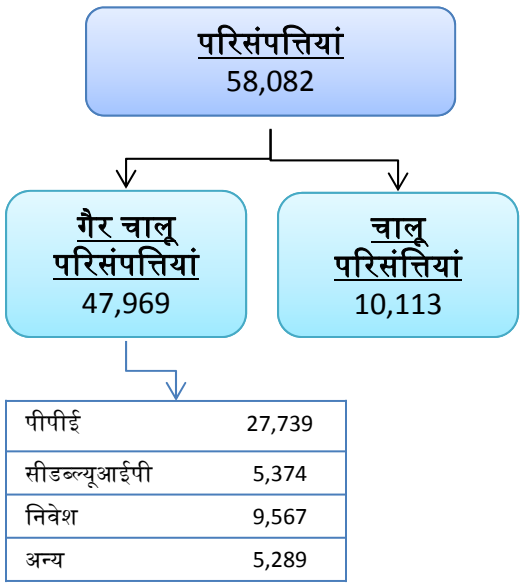

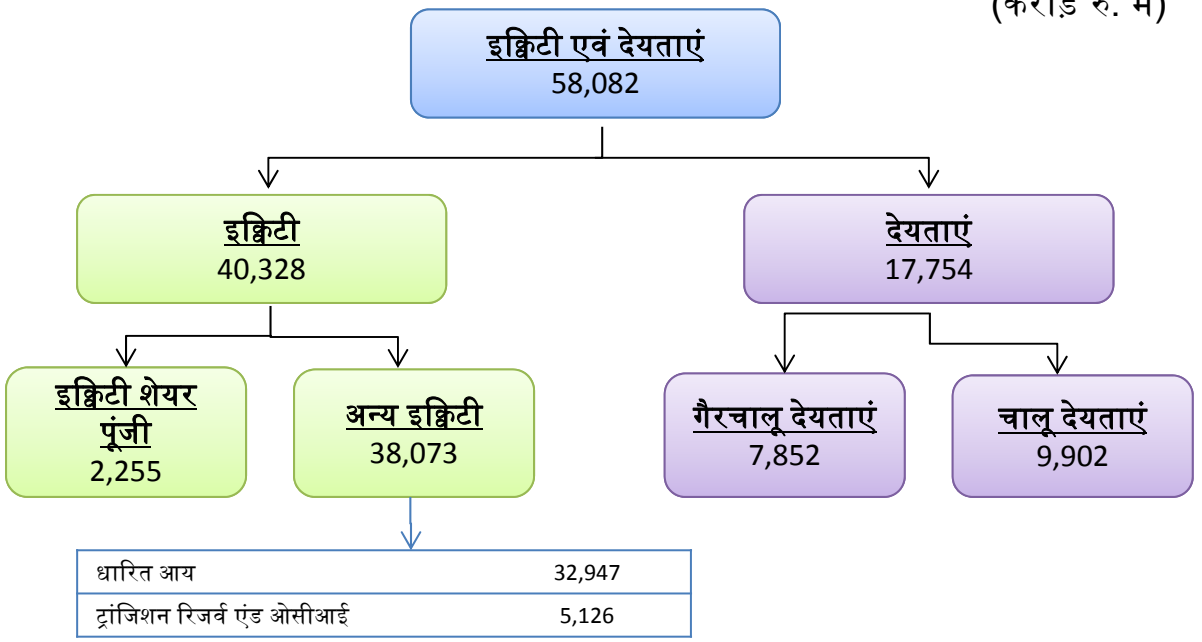

नियोजित पूंजी
रु.47,039 करोड़

कुल मूल्य*
रु.35,142 करोड़

बकाया ऋण
रु.2,080 करोड़

* कंपनी अधिनियम के अनुरूप

वित्तीय प्रोफाइल

सकल ब्लाक (करोड़ रुपयों में)

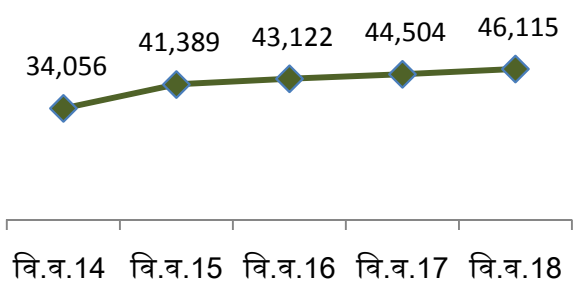

नियोजित पूंजी (करोड़ रुपयों में)

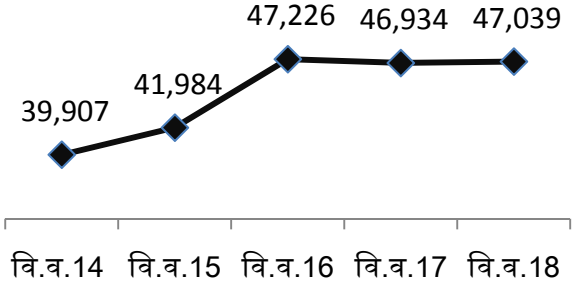

निवल मूल्य (करोड़ रुपयों में)

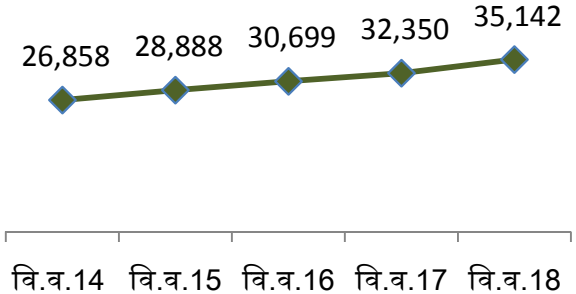

ऋण (करोड़ रुपयों में)

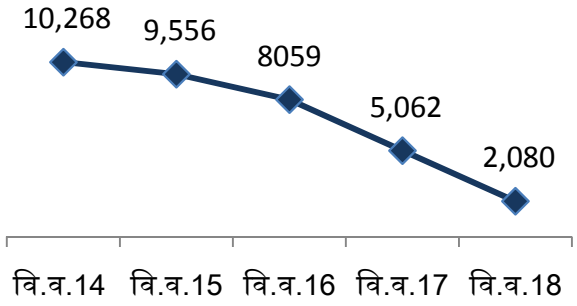

ऋण और इक्विटी अनुपात

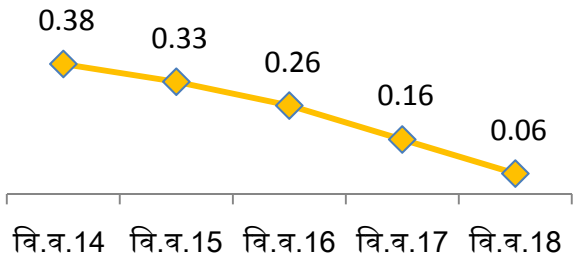

ऋण सर्विस कवरेज अनुपात (डीएससीआर)

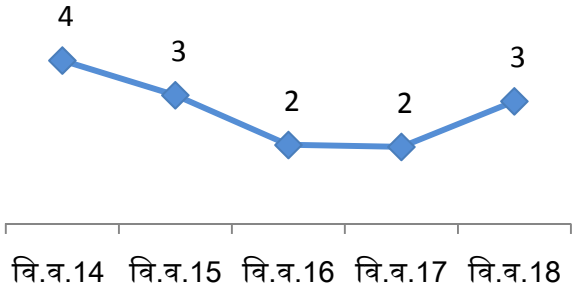

* वित्त वर्ष16 के पश्चात से आंकड़े इंड-एएस के अनुरूप हैं,निवल मूल्य कंपनी अधिनियम 2013 के अनुरूप है

समेकित आधार पर वित्तीय कार्य-निष्पादन

(करोड़ ` में)

कारोबार (सकल)

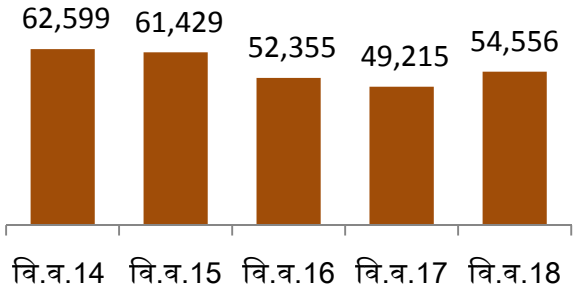

सकल मार्जिन (पीबीडीआईटी)

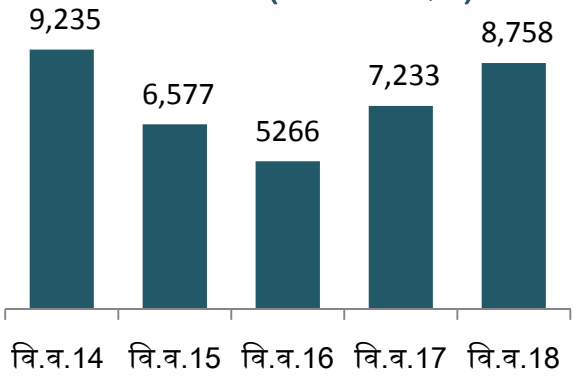

कर पूर्व लाभ

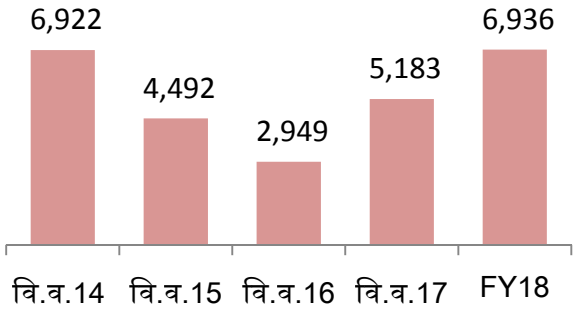

कर पश्चात् लाभ

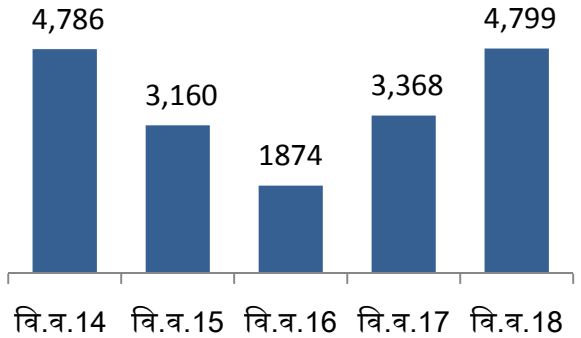

कारोबार (सकल)-समेकित आधार पर मिलान

(करोड़ रु. में)

विवरण	कारोबार (सकल)	वि.व. 18 निष्कासन	समेकित कारोबार (सकल)
एकल	53,825	-	53,825
गेल गैस	4,602	3,902	700
जीजीएसपीएल	5,388	5,388	-
जीजीयूआई	116	-	116
टीएनजीसीएल	76	23	53
घटाएँ: अन्य प्रचालन आय एवं बंद प्रचालन			138
कुल	**64,008**	**9,314**	**54,556**

पीएटी-समेकित आधार पर मिलान

विवरण	वि.व.18 में शेयरधारण का %	निवेश (निवल)	वि.व.18
गेल	**लागू नहीं**	**लागू नहीं**	**4,618**
सहायक कंपनियाँ		**1100**	**49**
गेल गैस	100%	877	74
जीजीएसपीएल	100%	42	2
जीजीयूआई	100%	179	(33)
टीएनजीएल (घटा: गैर-नियंत्रित ब्याज)	48.98%	2	6
सहयोगी कंपनियाँ		**2252**	**86**
एमजीएल	32.50%	32	144
पीएलएल	12.50%	99	254
बीसीपीएल	70.74%	992	(57)
आईजीएल	22.50%	32	159
ओपाल	49.21%	995	(567)
चाइना गैस	3.02%	97	158
फेयम गैस	19.00%	5	(4)
संयुक्त उद्यम (जेवी)		**558**	**73**
आरजीपीपीएल/केएलपीएल	25.50%	218	-
सीजीडी सं.उ. एवं अन्य (बीजीएल, सीयूजीएल, जीजीएल, एमएनजीएल, एजीएल, वीजीएल, तापि)	-	340	73
समायोजन			**(28)**
लाभांश का निष्कासन	-	-	(184)
निवेश से प्राप्त लाभ/हानि का निष्कासन	-	-	(26)
अन्य	-	-	182
समेकित	**-**	**-**	**4,799**

पूंजीगत व्यय प्रोफाइल

(करोड़ रु. में)

वि.व.17-18
रु.4,100 करोड़

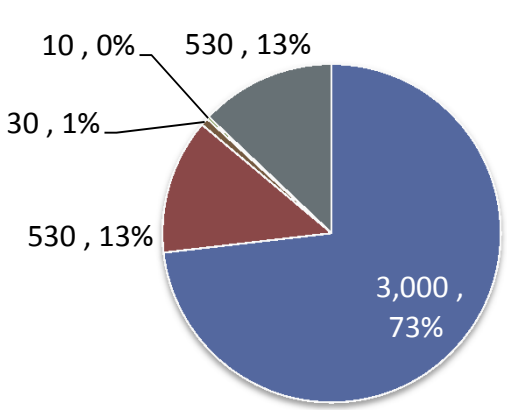

वि.व.18-19ई
रु.6,600 करोड़

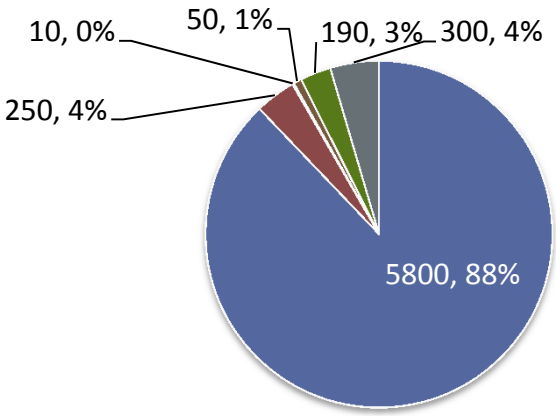

वि.व.19-20ई
रु.8,500 करोड़

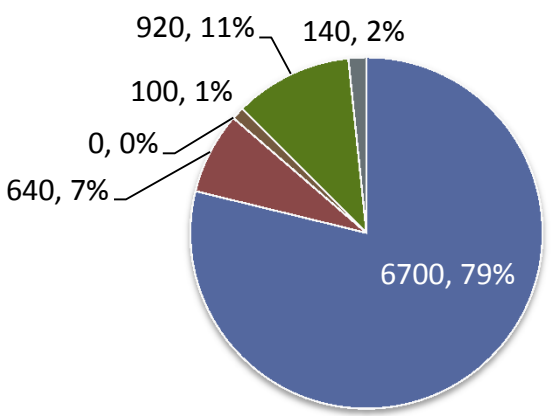

पाइपलाइन | शहर गैस वितरण (ईक्विटी) | पेट्रोकेमिकल | ई एंड पी | ईक्विटी निवेश | प्रचालन कैपेक्स

* पूंजीगत व्यय में नियोजित, गैर-नियोजित एवं प्रचालन कैपेक्स शामिल है

कैपेक्स एवं निधि के स्रोत

(करोड़ रु. में)

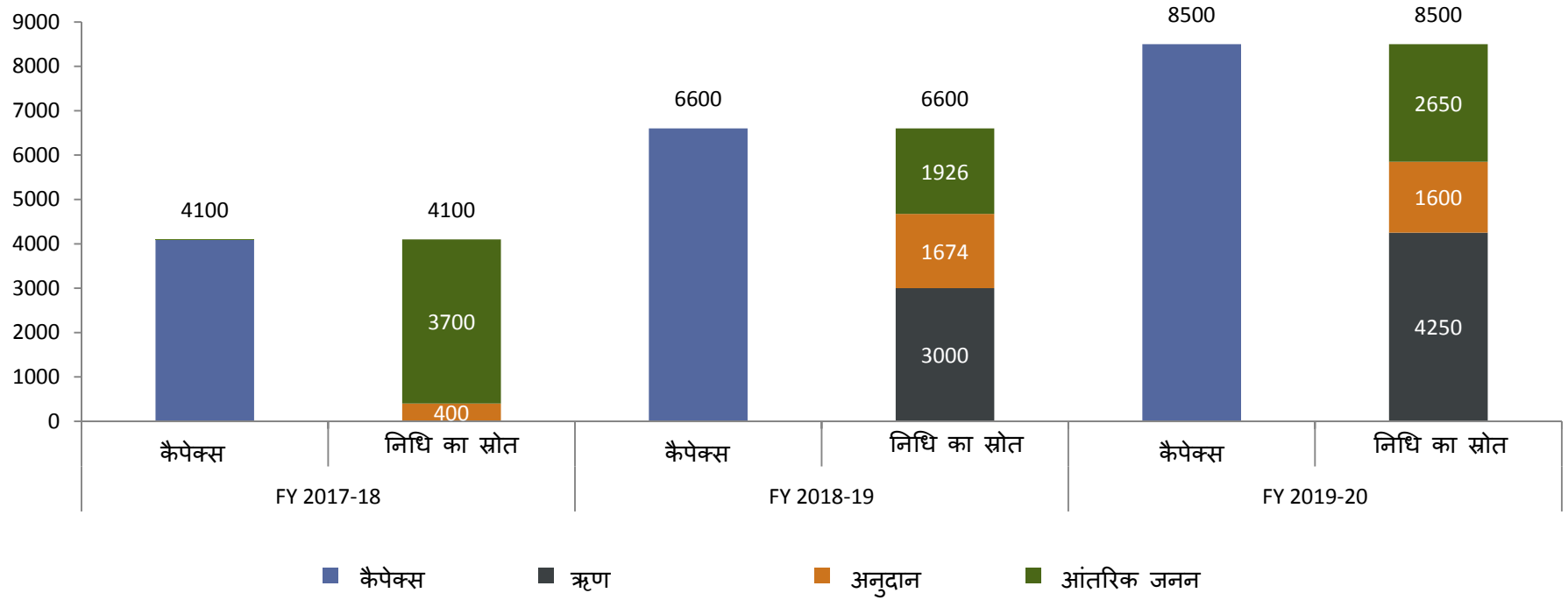

वास्तविक कैपेक्स एवं प्रमुख परियोजनाओं में पूंजीगत प्रतिबद्धता

(करोड़ रु. में)

परियोजना का नाम	पाइपलाइन की लम्बाई (कि.मी.)	अनुमोदित लागत	पूर्ण होने की संभावित तिथि	पूंजीगत प्रतिबद्धता	31.03.2018 तक वास्तविक कैपेक्स
जेएचबीडीपीएल	2,655	12,940	दिसम्बर 2020 तक प्रगतिशील रूप से	6,597	2,310
खंड I	753	3,397	दिसम्बर 2018 (110 कि.मी. फूलपुर-वारणसी खंड 31.03.2018 को पूर्ण हुआ)	2,470	1,961
खंड II (2ए & 2बी)	900	4,363	दिसम्बर 2019	2,877	254
खंड III (3ए & 3बी)	1,002	5,180	दिसम्बर 2020	1,250	80
केकेएमबीपीएल-II	879	2,915	फरवरी 2019	2,400	1,645
वीएपीपीएल	672	4,309	दिसम्बर, 2018 तक एपीपीएल खंड एवं सितम्बर 2019 तकवीएपीएल खंड	2,216	688
बरौनी गुवाहाटी पी/एल*	721	~3,300	नवम्बर 2021	-	-

औद्योगिक परिदृश्य

भारत का ऊर्जा परिदृश्य 2040

+165%
भारत की ऊर्जा खपत में वृद्धि

11%
2040 में वैश्विक ऊर्जा खपत में हिस्सेदारी

+184%
भारत के ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि

22%
2040 में कुल उत्पादन में नवीनीकरणीय ऊर्जी की भागीदारी

भारत की ऊर्जा खपत 2040 तक सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज़ी से बढ़ेगी, इस मांग को पूरा करने के लिए नवीनीकरणीय ऊर्जा पश्चात कोयले का सबसे ज्यादा योगदान होगा।

- भारत की ऊर्जा खपत विश्व में सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज़ी से प्रति वर्ष 4.2% बढ़ती है
- 2020 के अंत तक भारत ऊर्जा के सबसे बड़े विकास बाज़ार के रूप में चीन से आगे होगा
- 2020 तक गैस और उसके बाद तेल को पीछे छोड़कर नवीकरणीय घरेलू ऊर्जा उत्पादन का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत होगा।

- भारत की मांग में 165% वृद्धि, 61% की कुल गैर-ओईसीडी वृद्धि से लगभग 3 गुणा, ब्रिक देशों से भी ज़्यादा : चीन (+41%), ब्राज़ील (+60%) एवं रूस (+6%)
- 2040 तक ऊर्जा मिश्रण में कोयले का भाग 2016 में 57% से घटकर 50% रह जाएगा, जबकि नवीनीकरणीय ऊर्जा का भाग 2% से 13% बढ़ जाएगा
- बिजली की खपत ट्रेबल्स (+241%) से अधिक है और कोयला प्रमुख ईंधन स्रोत बना हुआ है, जबकि इसका भाग 2016 में 77% से घटकर 2040 में 64% रह जाएगा क्योंकि नवीनीकरणीय ऊर्जा 5% से 23% तक बढ़ेगी
- खपत के भाग के रूप में ऊर्जा का उत्पादन 2016 में 56% से बढ़कर 2040 में 60% होगा जबकि आयात 141% बढ़ेगा
- 2040 तक, भारत की जीडीपी की ऊर्जा तीव्रता 2016 की तुलना में 37% कम रहेगी जबकि ऊर्जा उपयोग की कार्बन तीव्रता 13% कम होगी

स्रोत: बीपी आउटलुक 2035, फरवरी 2016 / बीपी इंडिया इनसाइट 2018

ऊर्जा खपत की प्रवृत्ति: विश्व

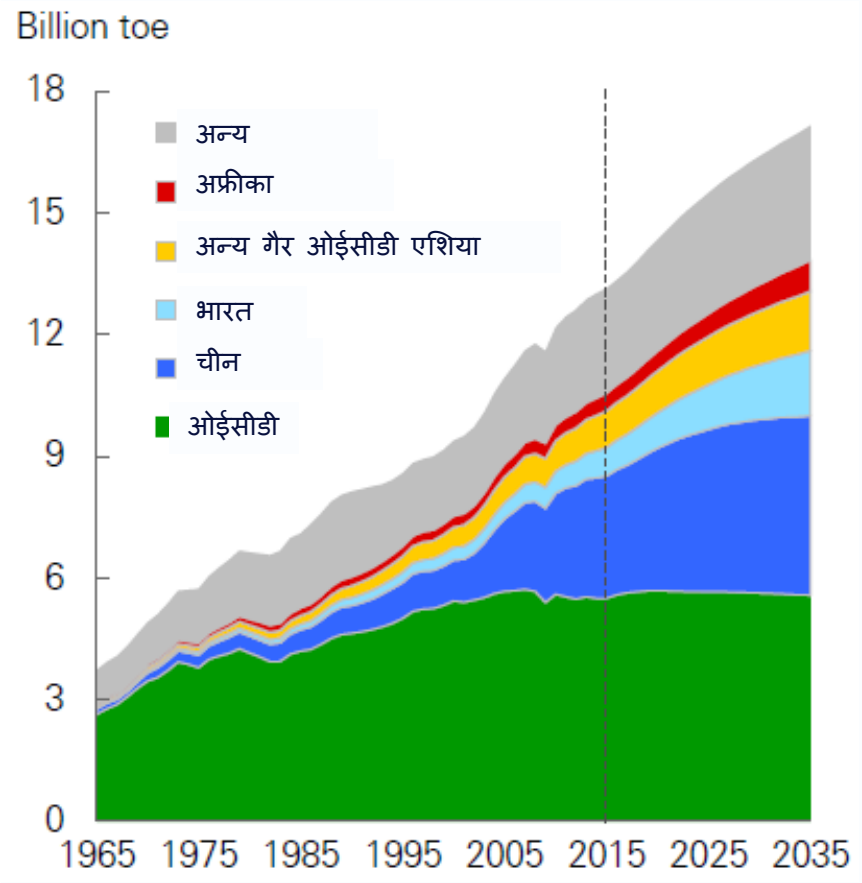

- उत्पादकता में वृद्धि (प्रति व्यक्ति जीडीपी) के कारण 3.4 प्रति वर्ष औसत वृद्धि के साथ अगले 20 वर्षों में विश्व की अर्थव्यवस्था लगभग दोगुनी होने की आशा है
- 2035 तक विश्व की जनसंख्या लगभग 9 अरब पहुँचने का अनुमान है
- वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनुमानित वृद्धि उभरती अर्थव्यवस्थाओं से प्रेरित है, जिसमें चीन और भारत की वृद्धि का लगभग आधा हिस्सा है
- ऊर्जा की खपत पहले (2.2% प्रति वर्ष 1995 से 2015) की तुलना में कम तेज़ी (1.3% प्रति वर्ष) से बढ़ने की आशा है

स्रोत: बीपी एनर्जी आउटलुक 2017

वैश्विक प्राथमिक ऊर्जा बॉस्केट – तुलनात्मक विवरण

क्षेत्र	तेल	प्राकृतिक गैस	कोयला	परमाणु ऊर्जा	हाइड्रो इलेक्ट्रिक	नवीकरणीय ऊर्जा	टीपीई (एमटीओई)
विश्व	33.3%	24.2%	28.0%	4.5%	6.8%	3.2%	**13376**
ओईसीडी	37.7%	27.0%	16.5%	8.1%	5.7%	4.9%	**5529**
गैर-ओईसीडी	30.1%	22.1%	36.4%	1.9%	7.7%	1.9%	**7747**
एशिया पैसिफिक	27.9%	11.7%	49.4%	1.9%	6.6%	2.6%	**5579**
चीन	19.0%	**6.2%**	61.8%	1.6%	8.6%	2.8%	**3053**
भारत	29.4%	**6.2%**	56.9%	1.2%	4.0%	2.3%	**724**
बंग्लादेश	20.3%	76.4%	2.5%	-	0.6%	0.1%	**32**
पाकिस्तान	33.0%	49.2%	6.5%	1.5%	9.3%	0.5%	**83**

(स्रोत: बीपी सांख्यिकीय विश्व ऊर्जा समीक्षा, 2017)

- भारत चीन और अमेरिका के बाद तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता है कोयले में दूसरा और तेल में तीसरा।
- विश्व के औसत 24% की तुलना में भारत में प्राकृतिक गैस की खपत 6.2% है (14वां सबसे बड़ा उपभोक्ता)।

भारत की प्राथमिक ऊर्जा

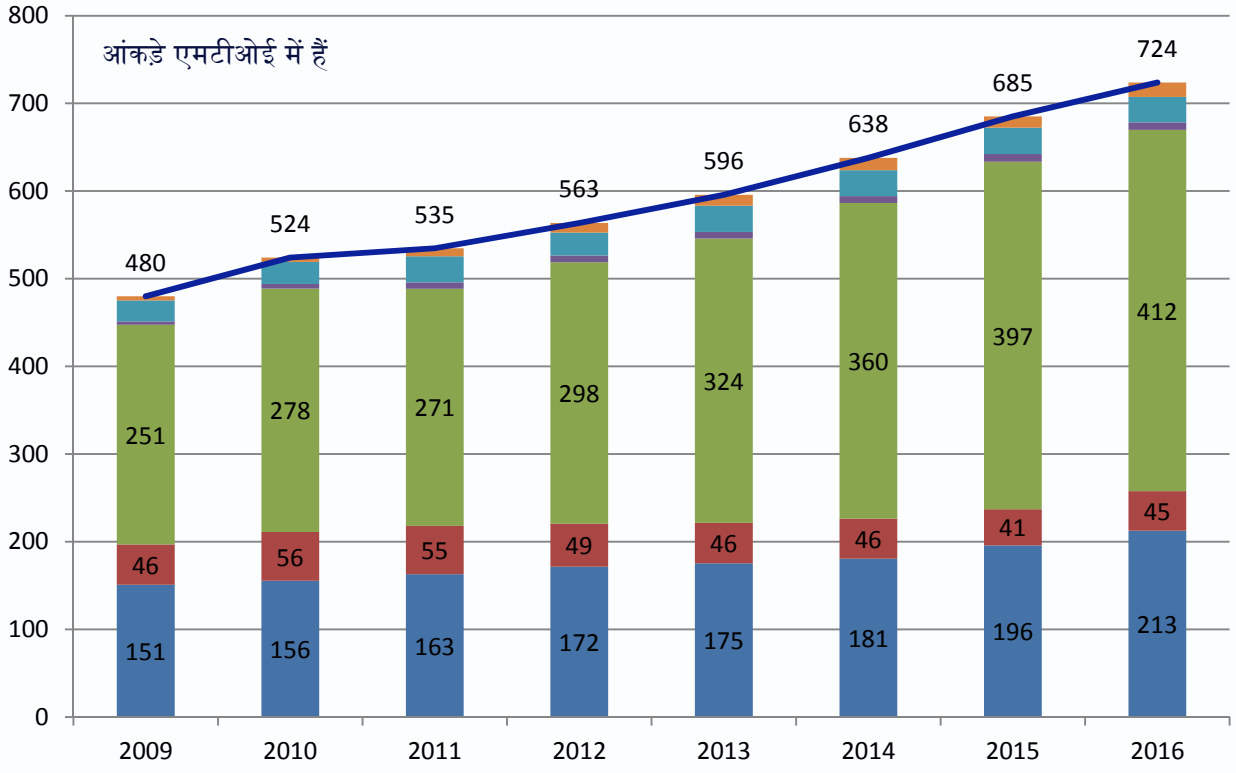

भारत के प्राथमिक ऊर्जा मिश्रण में प्राकृतिक गैस का हिस्सा 2010 में 11% से घटकर 2016 में 6.2% हो गया है।

(स्रोत: बीपी सांख्यिकीय विश्व ऊर्जा समीक्षा, 2017)

गैस विकास: भारत सरकार की प्रमुख पहलों का समर्थन

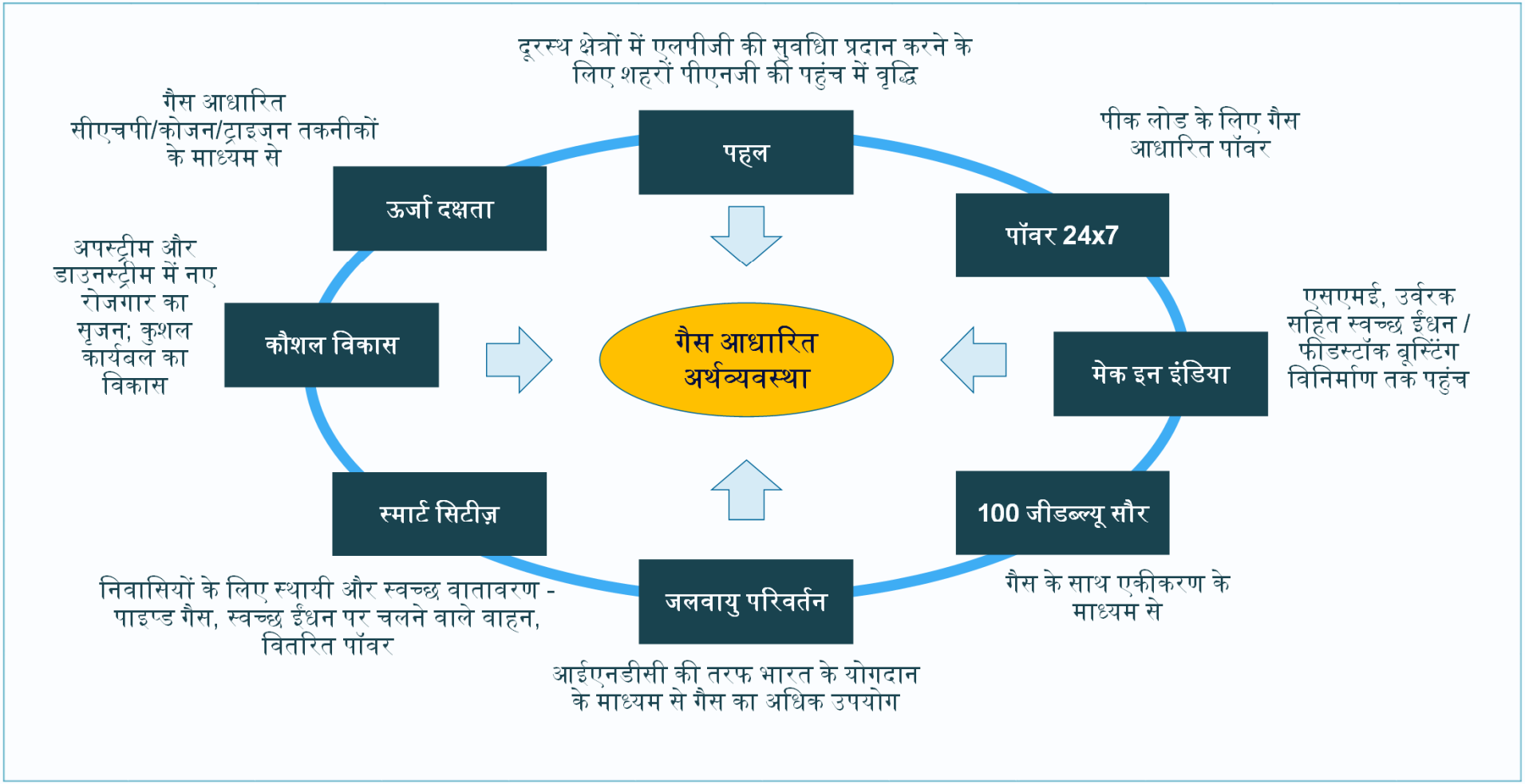

ऐतिहासिक उत्पादन और खपत पैटर्न

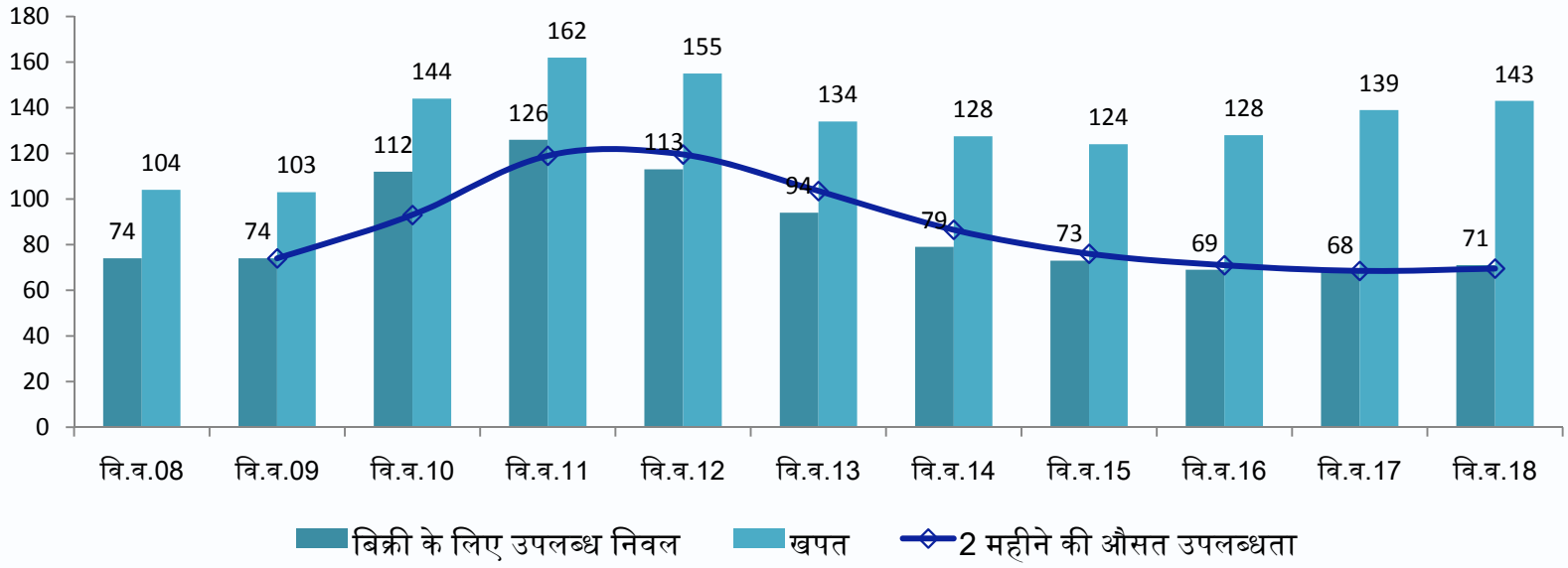

भारतीय गैस बाजार के लिए घरेलू उत्पादन में गिरावट एक प्रमुख चिंता है

सभी आंकड़े एमएमएससीएमडी में

एलएनजी की खपत बढ़ी है, लेकिन भारतीय गैस बाजार के लिए वहन किया जा सकने वाला मूल्य अभी भी एक चुनौती है

स्रोत: पीपीएसी | घरेलू बाजार में बिक्री हेतु उपलब्ध वॉल्यूम सकल उत्पादन का लगभग 80% हैं।

पिछले कुछ वर्षों में एलएनजी आयात लगातार बढ़ा है

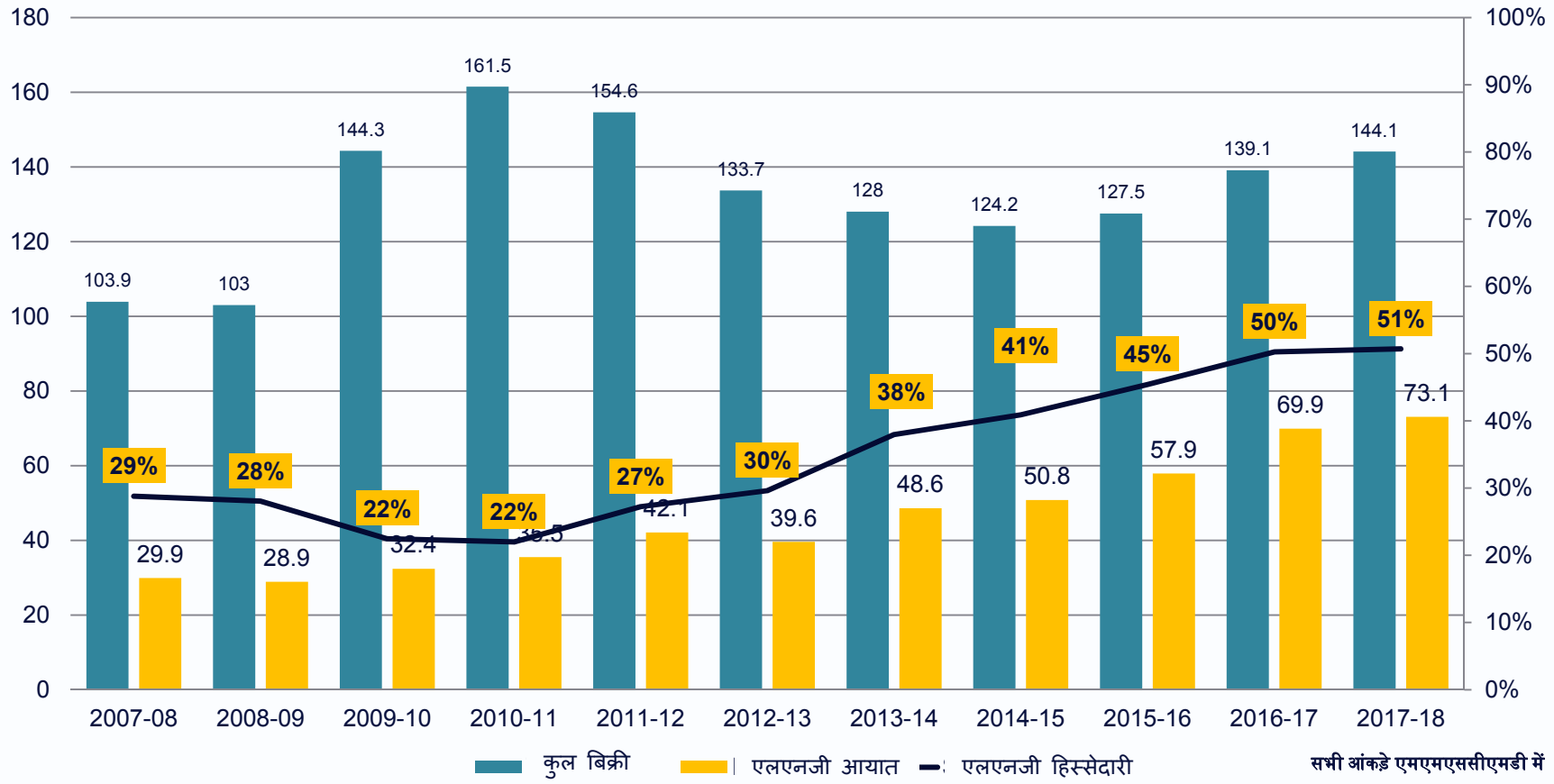

प्राकृतिक गैस खपत पैटर्न- भारत (2017-18)

क्षेत्र-वार ब्रेक-अप

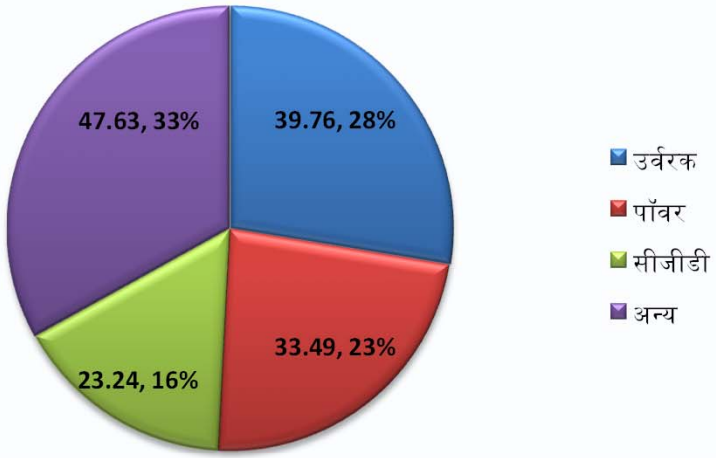

गैस-वार ब्रेक-अप

मात्रा एमएमएससीएमडी में

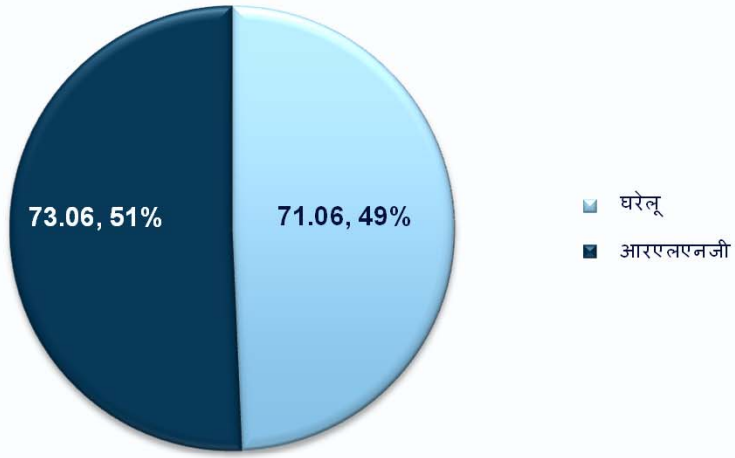

वित्त वर्ष **(2017-18)** के दौरन गैस खपत, **~144** एमएमएससीएमडी

पॉवर एवं उर्वरक – एंकर मार्केट

औद्योगिक एवं शहर गैस – बढ़ता मार्केट

स्रोत: पीपीएसी

* अन्य में शामिल है रिफाइनरी, पेट्रोकेमिकल्स, एलपीजी, आईसी एवं विनिर्माण आदि

2021-22 तक भारत गैस की क्षेत्रवार मांग अनुमान

सभी आंकड़े एमएमएससीएमडी में

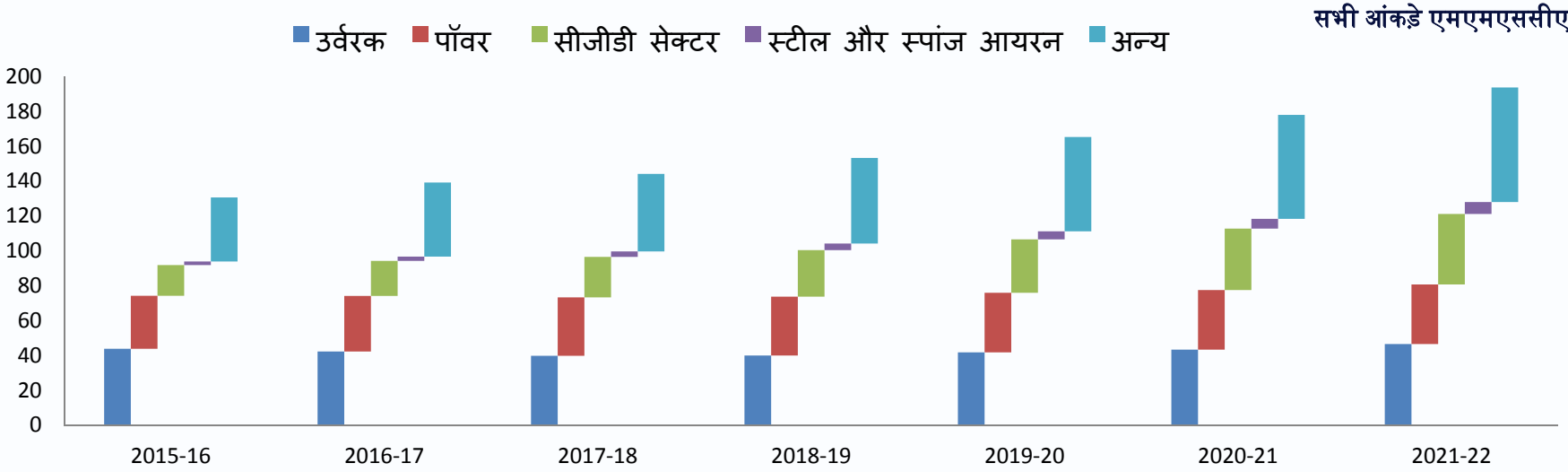

क्षेत्र	वास्तविक				अनुमान			
	2015-16	2016-17	2017-18	3 year CAGR	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22
उर्वरक	43.83	42.27	39.76	-5%	39.91	41.7	43.3	46.5
पॉवर	30.35	31.82	33.49	5%	33.74	34.19	34.19	34.19
सीजीडी क्षेत्र	17.62	20.14	23.24	15%	26.69	30.65	35.2	40.43
स्टील एवं स्पंज आयरन	2.09	2.43	3.1	22%	3.78	4.6	5.6	6.82
अन्य	36.67	42.46	44.54	10%	49.09	54.1	59.62	65.71
कुल (एमएमएससीएमडी)	130.56	139.12	144.13	5%	153.2	165.24	177.915	193.65
कुल (प्रति वर्ष बीसीएम)	47.65	50.77	52.6	5%	55.91	60.31	64.93	70.67

गैस की बढ़ती खपत पर भारत सरकार का ध्यान केंद्रित है जिसके परिणामस्वरूप सीजीडी और अन्य (रिफाइनरी, पेट्रोकेमिकल, स्टील, एलपीजी संकोचन और औद्योगिक क्षेत्रों) में खपत बढ़ रही है।

*स्रोत: गेल का आंतरिक मूल्यांकन

भारत में गैस पाइपलाइन का इंफ्रास्ट्रक्चर

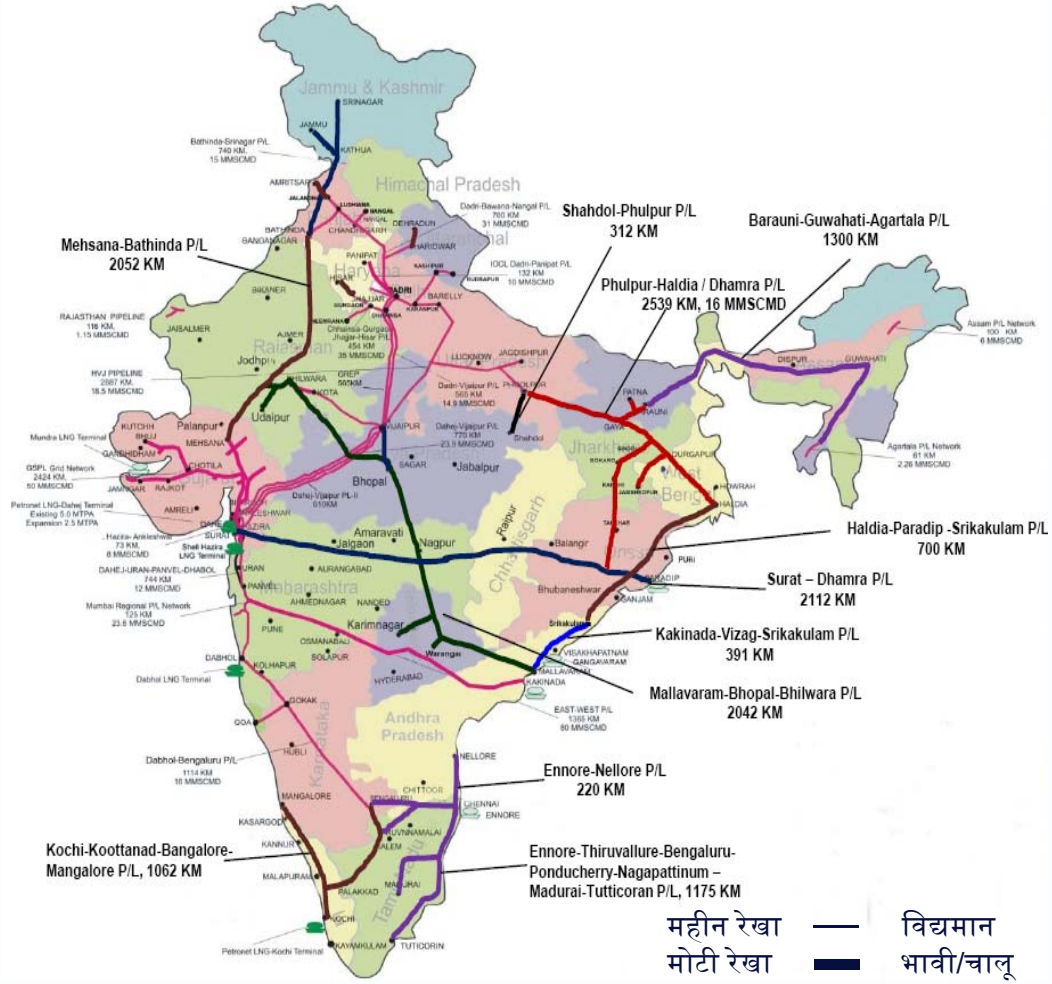

पाइपलाइन की लम्बाई (कि.मी.)	विद्यमान	भावी एवं प्राधिकृत
पूरे भारत की पाइपलाइन की लम्बाई	16667	13060
गेल की पाइपलाइन की लम्बाई	11167	4878

भारत में रीगैसीफिकेशन टर्मिनल

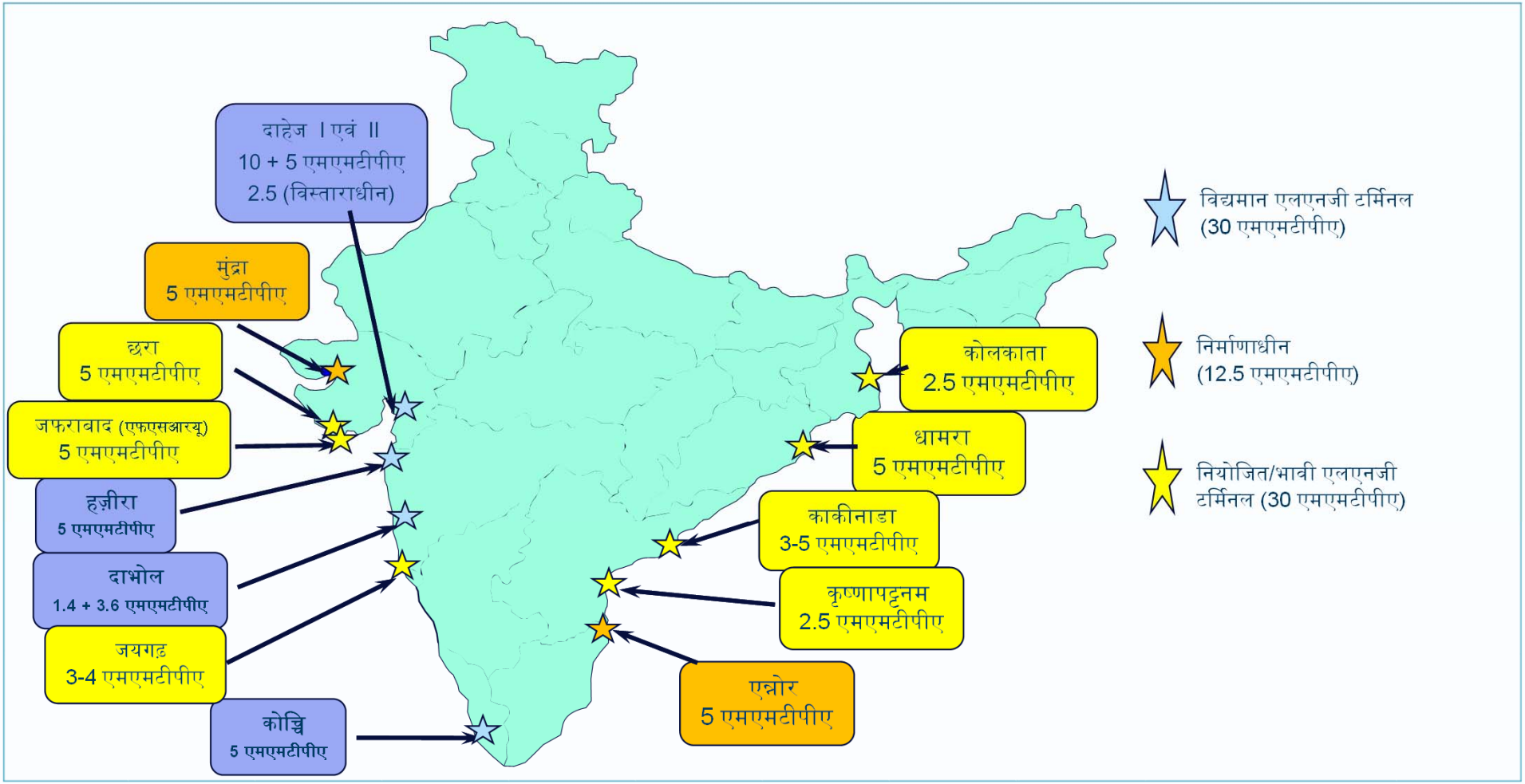

पेट्रोकेमिकल व्यवसाय परिदृश्य

- भारतीय पेट्रोकेमिकल उद्योग में सीएजीआर (2013-17) वृद्धि ~ 14 %
- 2020 तक भारतीय पेट्रोकेमिकल्स उद्योग के $100 बिलियन तक पहुंचने की संभावना है
- भारत में प्रति व्यक्ति प्लास्टिक की खपत महज 11 किलो बनाम चीन की प्रति व्यक्ति खपत 45 किलो है
- विश्व में प्रति व्यक्ति प्लास्टिक की औसत खपत ~ 28 किलोग्राम है, जिसमें अमेरिका की उच्च खपत 109 किलोग्राम प्रति व्यक्ति है
- भविष्य के पॉलिमर की मांग में प्रति वर्ष ~ 8-9% की वृद्धि का अनुमान है : सामान्य रूप से प्लास्टिक और विशेष रूप से गेल के लिए ह्यूज अपसाइड

भारत की प्रति व्यक्ति खपत एशिया में सबसे कम है
भारत में वृद्धि और विकास के हेतु अनेक अवसर हैं

वि.व. 2017-18 में गेल के पेट्रोकेमिकल व्यवसाय की मुख्य विशेषताएं

- 674 केटीए पॉलीमर की बिक्री, जो अब तक की सबसे अधिक बिक्री है
- वर्ष के दौरान पॉलीमर का निर्यात - 56,498 एमटी
- *अन्य पहलें*
  - *सीआईपीईटी के साथ "प्लास्टिक उत्पाद विनिर्माण" पर कौशल विकास कार्यक्रम*
  - *ग्राहक परिसर में उत्पादकता बढ़ाने पर कार्यक्रम*

G-Lex

क्षमता वृद्धि के साथ ग्रोथ ड्राइवर्स के परिणामस्वरूप टॉप लाइन के साथ-साथ गेल के लिए बॉटम लाइन में भी वृद्धि होगी।

G-Lene

*स्रोत: एसोचेम एण्ड इण्डस्ट्री एस्टीमेट अध्ययन

पेट्रोकेमिकल व्यवसाय परिदृश्य

भारतीय एचडीपीई एवं एलएलडीपीई की मांग बनाम क्षमता

एचडीपीई+एलएलडीपीई	वास्तविक	अनुमान		
(केटीए में)	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21
मांग				
एचडीपीई (1)	2,338	2,525	2,727	2,945
एलएलडीपीई (2)	1,820	1,966	2,123	2,293
एचडी+एलएलडी	4,158	4,491	4,850	**5,238**
क्षमता*				
एचडी+एलएलडी	5,000	5,000	5,000	5,000

2020-21 तक भारतीय एचडीपीई और एलएलडीपीई की मांग क्षमता से अधिक होगी

- पीई की मांग में 9% वृद्धि हुई
- 2020-21 तक भारतीय पीई की खपत अपनी क्षमता से अधिक होगी
- 2021-22 तक एचएमईएल का पीई संयंत्र (1250 केटीए) कमिशन होने की संभावना है
- पीई में 8-9% वृद्धि के लिए भावी मांग कारक
  - *पैकेजिंग उद्योग*
  - *ईकॉमर्स प्रेरित पैकेजिंग*
  - *ऑटोमोबाइल/निर्माण उद्योग*
  - *कृषि उद्योग*

G-Lex

G-Lene

*स्रोत: सीपीएमए एवं उद्योग अनुमानों का अध्ययन

अवसर

अवसर

- **भारतीय ऊर्जा मिश्रण में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी 2010 में 10.23% से घटकर 2015 में 6.2% हो गई**
- **भारत सरकार ने प्राथमिक ऊर्जा मिश्रण में गैस की हिस्सेदारी 6.2% से बढ़ाकर 15% करने का लक्ष्य रखा है**
  - 2016 के स्तर पर पीई मिश्रण के 15% तक पहुंचने के लिए ~300 एमएमएससीएमडी की गैस की खपत की आवश्यकता है
- **प्राकृतिक गैस मूल्य श्रृंखला में भारी निवेश किया जा रहा है:**
  - **गैस पाइपलाइन : रु.60,000 करोड़ से 70,000 करोड़**
    - विद्यमान क्षमता ~ 384 एमएमएससीएमडी; गेल द्वारा निष्पादित की जा रही – ~32 एमएमएससीएमडी;
    - 2011 से पीएनजीआरबी द्वारा प्राधिकृत तथा अभी निष्पादित नहीं की गईं - ~ 531 एमएमएससीएमडी
  - **एलएनजी टर्मिनल: ~ रु.25,000 करोड़**
    - मौजूदा ~30 एमएमटीपीए से ~24 एमएमटीपीए की क्षमता में वृद्धि
  - **गैस आधारित उर्वरक क्षेत्र : ~ रु.30,000 करोड़**
    - 4 पुन:प्रवर्तन इकाइयां, 1 विस्तार इकाई, 1 ग्रीनफील्ड इकाई
  - **सीजीडी : रु.70,000 करोड़ - 80,000 करोड़**
    - 91 मौजूदा गैस (~50 प्रचालन); अन्य 225+ शहरों के आने की आशा है
- **ई एंड पी:** कुल 41,872 एमएमटीओई अनुमानित हाइड्रोकार्बन भंडार में से 29,796 एमएमटीओई (3/4) अभी भी अज्ञात है (*स्रोत: डीजीएच*)
- **पेट्रोकेमिकल्स** : भारत में प्रति व्यक्ति प्लास्टिक की खपत महज 11 किलो बनाम चीन प्रति व्यक्ति 38 किलो है।

गैस और सरकार के लिए नए विकास क्षेत्र

स्मार्ट सिटीज़

- नीति आयोग का 3 साल का एजेंडा 100 स्मार्ट शहरों के लिए CGD के विस्तार का सुझाव देता है
- नीति आयोग पीएनजी और सीएनजी के लिए गैस के उपयोग का समर्थक है
- स्वच्छ वातावरण सहित आश्वासित और गुणवत्ता पॉवर के लिए गैस आदर्श समाधान है
- पेटकॉक पर प्रतिबंध लगाना आवश्यक, शहर की सीमा के भीतर डीजल आधारित बिजली

पीकिंग पॉवर

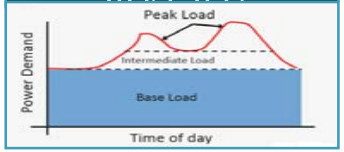

- गैस-फायर्ड संयंत्र- सबसे अनुक्रियाशील और लचीला; पीकिंग पॉवर के लिए आदर्श
- बढ़ते नवीकरण के साथ, गैस आधारित पॉवर को ग्रिड के संतुलन हेतु स्थापित किया जा सकता है
- सिर्फ 22.5% पीएलएफ के साथ वर्तमान स्थापित क्षमता 25,185 एमडब्ल्यू है

सीजीडी

- हाल के वर्षों में सीजीडी सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र बन गया है
- एलपीजी मुक्त क्षेत्रों की घोषणा, सार्वजनिक उपयोगिता की स्थिति, सिंगल विंडो क्लीयरेंस जैसे नियम सीजीडी क्षेत्र के विकास को सुविधाजनक बना सकते हैं

भारी वाहनों के लिए एलएनजी

- एलएनजी-चालित ट्रक डीजल ईंधन के मुकाबले एक महत्वपूर्ण सुधार दर्शाते हैं
- एलएनजी की आपूर्ति सुनिश्चित करने में ईंधन स्टेशनों का एक नेटवर्क बनाना बड़ी चुनौती है

गैस क्षेत्र की वृद्धि को सुगम बनाने के लिए **पीकिंग पॉवर पॉलिसी, गैस खरीद बाध्यताएं (जीपीओ), एलपीजी फ्री ज़ोन, हाइब्रिड पॉवर, कराधान आदि** जैसे सुधारों की आवश्यकता है

स्रोत: नीति आयोग, सीईए

हमारे संपर्क बिंदु

संस्थागत निवेशकों
एवं विश्लेषको के लिए

श्री ए के तिवारी,
कार्यकारी निदेशक (वित्त एवं लेखा)
ई-मेल आईडी: a_k_tiwari@gail.co.in

खुदरा निवेशकों के लिए

श्री ए के झा,
कंपनी सचिव
ई-मेल आईडी: ak.jha2@gail.co.in

गेल (इंडिया) लिमिटेड
भारत का यंगेस्ट महारत्न
16, भीकाएजी कामा प्लेस, आर.के. पुरम, नई दिल्ली-110066
www.gailonline.com

धन्यवाद